हिंदी | कक्षा दसवीं

अपठित गद्यांश

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर विकल्पों में से चुनकर लिखिए।

महाभारत में देश के प्रायः अधिकांश वीर कौरवों के पक्ष में थे। मगर फिर भी जीत पांडवों की हुई, क्योंकि उन्होंने लाक्षा-गृह की मुसीबत झेली थी, वनवास के जोखिम को पार किया था। साहस की ज़िंदगी सबसे बड़ी जिंदगी होती है। ऐसी जिंदगी की सबसे बड़ी पहचान यह है कि यह बिलकुल निडर, बिल्कुल बेखौफ़ होती है। साहसी मनुष्य की पहली पहचान यह है कि वह इस बात की चिंता नहीं करता कि तमाशा देखने वाले लोग उसके बारे में क्या सोच रहे हैं।

जनमत की उपेक्षा करके जीने वाला आदमी दुनिया की असली ताकत होता है और मनुष्यता को प्रकाश भी उसी आदमी से मिलता है। अड़ोस-पड़ोस को देखकर चलना साधारण जीव का काम है। क्रांति करने वाले लोग अपने उद्देश्य की तुलना न तो पड़ोसी के उद्देश्य से करते हैं और न अपनी चाल को ही पड़ोसी की चाल देखकर मद्धिम बनाते हैं, बल्कि निडर होकर अपने लक्ष्य को पूरा करते हैं।

(i) इस गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक होगा
(क) संकट और विकास
(ख) साहस की आवश्यकता
(ग) हिम्मत और जिंदगी
(घ) स्वाभिमानी जीवन
उत्तर
(ग) हिम्मत और जिंदगी

(ii) पांडवों की जीत के पीछे क्या कारण बताया गया है?
(क) सत्य की शक्ति
(ख) कृष्ण का साथ
(ग) भाग्य का साथ ।
(घ) संकटों का मुकाबला
उत्तर
(घ) संकटों का मुकाबला

(iii) 'साहस की जिंदगी सबसे बड़ी जिंदगी होती है।' यह किस प्रकार का वाक्य है?
(क) सरल वाक्य
(ख) संयुक्त वाक्य
(ग) मिश्र वाक्य
(घ) नकारात्मक वाक्य
उत्तर
(क) सरल वाक्य

(iv) साहसी मनुष्य की पहचान क्या है?
(क) वह आस-पड़ोस को देखकर चलता है
(ख) वह मनमानी करता है
(ग) वह जनमत की उपेक्षा करता है
(घ) वह लोगों की निंदा की परवाह नहीं करता
उत्तर
(घ) वह लोगों की निंदा की परवाह नहीं करता

(v) क्रांतिकारी लोग
(क) निडर होकर मनमानी करते हैं
(ख) निडर होकर अपने लक्ष्य को पूरा करते हैं
(ग) आस-पड़ोस की चिंता करते हैं
(घ) कुछ नहीं करते हैं
उत्तर
(ख) निडर होकर अपने लक्ष्य को पूरा करते है